TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

12 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सत्य को किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती सत्य स्वयं सिद्ध होता है।

दयानंद सरस्वती

(आर्य समाज के संस्थापक)

जन्म: 12 फरवरी 1824 मृत्यु: 30 अक्टूबर 1883

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

12 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

एक देश की महानता, बलिदान और प्रेम उस देश के आदर्शों पर निहित करता है।

- सरोजिनी नायडू

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

12 फरवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा तिथि, रविदास जयंती, बुधवार 12 फरवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"असफलता सफलता है, यदि हम उससे सीख लें तो।"

–मैल्कम फोर्ब्स

"Failure is success if we learn from it."

– Malcolm Forbes

आज के दिन

1266– दिल्ली के सुल्तान नसीरुद्दीन शाह का निधन।

1502– वास्को द गामा भारत की दूसरी यात्रा के लिए अपने जहाज में लिस्बन से रवाना हुआ।

1818– दक्षिण अमेरिकी देश चिली को स्पेन से स्वतंत्रता मिली।

1871– सी. एफ. एंड्रयूज का जन्म (एक ईसाई मिशनरी, शिक्षाविद् एवं गाँधी जी के सहायक थे।)

1902– लॉर्ड डफरिन का निधन (लॉर्ड रिपन के बाद भारत का वायसराय बनकर आया था।)

1920– हिन्दी फिल्मों के जाने माने नायक, खलनायक और चरित्र अभिनेता प्राण का जन्म।

1928– गांधी जी ने बारदोली में सत्याग्रह की घोषणा की।

1804– जर्मनी के प्रख्यात दार्शनिक एवं विचारक इमैनुएल कांट का निधन।

1. **स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म**– स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी, 1824 ई. को गुजरात के काठियावाड़ के मौरवी राज्य के ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके बचपन का नाम मूलशंकर था। शिवरात्रि को मूर्तिपूजा से अनास्था, चाचा और बहन की मौत ने इनकी जिंदगी पर गहरा असर डाला। वे सन्यासी बन गये। गुरू विरजानंद से उन्होंने व्याकरण, योग, धर्म–अध्यात्म का ज्ञान प्राप्त किया। मथुरा में शिक्षा पूरी कर दयानंद का सारा जीवन वेद, दर्शन, धर्म, भाषा, देश, स्वतंत्रता, समाज की बदतर हालत को सुधारने में, समाज में फैले अंधविश्वासों, पाखंडों और बुराइयों को खत्म करने में समर्पित हो गया। स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 ई. में बम्बई में आर्य समाज की स्थापना की थी। स्वामी जी ने 'वेदों की ओर लौट जाओ' का नारा दिया था। वे वैदिक समाज की स्थापना करना चाहते थे। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश सहित चालिस पुस्तकें लिखकर समाज और देश को नई दिशा दी।
   - संदर्भ– बच्चों को **अतीत से वर्तमान भाग 3, अध्याय–9** के संदर्भ में बतायें।
2. **अंतर्राष्टीय डार्विन दिवस**– महान विकासविद् चार्ल्स डार्विन का जन्म 12 फरवरी, 1809 को इंग्लैंड के एक शहर श्रूसबेरी में हुआ था। उनकी पुस्तक 'द ओरिजिन ऑफ स्पीशीज' ने अनेक भूगर्भीय, जीवाश्मीय प्रमाणों से यह साबित कर दिया था कि धरती पर जीवों का सृजन नहीं हुआ है बल्कि सभी जीव एक वैकासिक प्रक्रिया की देन हैं। डार्विन ने मनुष्य के क्रमिक विकास पर कार्य किया।
3. **अब्राहम लिंकन का जन्मदिन**– अब्राहम लिंकन का जन्म 12 फरवरी, 1809 को संयुक्त राज्य अमेरिका के केंटुकी में एक गरीब परिवार में हुआ था। वे मीलों चलकर पढ़ने के लिए किताबें उधार लेकर आते थे और रात में अंगीठी की या लोहार की दुकान में जल रही भट्ठी की रोशनी में बैठ कर पढ़ते थे। उन्होंने खेतों में मजदूरी की, लकड़हारे का काम किया, वकालत की और कठिन संघर्ष के बाद वे अमेरिका के सोलहवें राष्ट्रपति बने थे। अमेरिका में दास प्रथा के अंत का श्रेय भी लिंकन को ही जाता है। उन्होंने ही लोकतंत्र की परिभाषा देते हुए कहा था– 'लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए चुनी गयी सरकार है।''
4. **राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस**– भारत में हर साल 12 फरवरी को उत्पादकता, नवाचार और दक्षता पर जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस मनाया जाता है। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद भारत में उत्पादकता आंदोलन के प्रसार के लिए एक प्रमुख संस्थान है। भारतीय राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद की स्थापना सन 1958 में की गई थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद का उद्देश्य देश में सभी क्षेत्रों में उत्पादकता और गुणवत्ता चेतना को प्रेरित और प्रोत्साहित करना है। इष्टतम संसाधन उपयोग के साथ उत्पादन को अधिकतम करने के लिए उत्पादकता जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है।

दिवस विशेष

12 फरवरी

मधु प्रिया

स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म 12 फरवरी

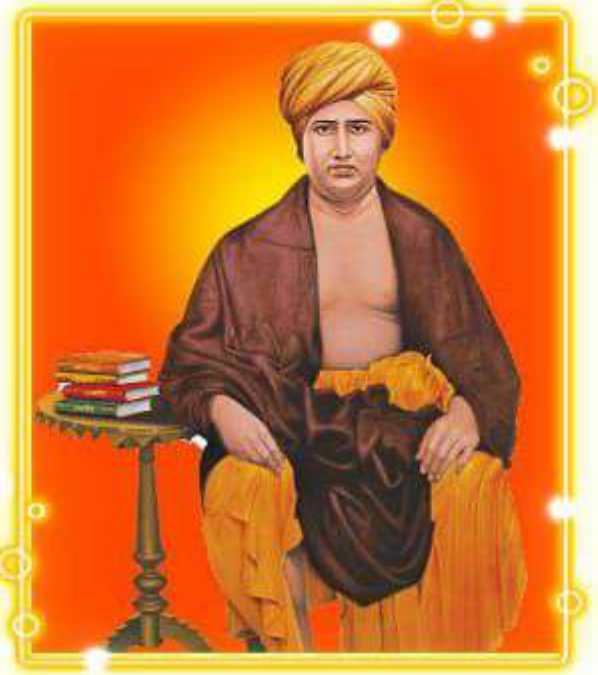

स्वामी दयानन्द सरस्वती जो कि आर्य समाज के संस्थापक के रूप में पूज्यनीय हैं। यह एक महान देशभक्त एवम मार्गदर्शक थे, जिन्होंने अपने कार्यो से समाज को नयी दिशा एवं उर्जा दी। महात्मा गाँधी जैसे कई वीर पुरुष स्वामी दयानन्द सरस्वती के विचारों से प्रभावित थे। स्वामी जी का जन्म 12 फरवरी 1824 को हुआ। वे जाति से एक ब्राह्मण थे और इन्होने शब्द ब्राह्मण को अपने कर्मो से परिभाषित किया।ब्राह्मण वही होता हैं जो ज्ञान का उपासक हो और अज्ञानी को ज्ञान देने वाला दानी।स्वामी जी ने जीवन भर वेदों और उपनिषदों का पाठ किया और संसार के लोगो को उस ज्ञान से लाभान्वित किया।इन्होने मूर्ति पूजा को व्यर्थ बताया. निराकार ओमकार में भगवान का अस्तित्व है, यह कहकर इन्होने वैदिक धर्म को सर्वश्रेष्ठ बताया।वर्ष 1875 में स्वामी दयानन्द सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की।1857 की क्रांति में भी स्वामी जी ने अपना अमूल्य योगदान दिया।अंग्रेजी हुकूमत से जमकर लौहा लिया और उनके खिलाफ एक षड्यंत्र के चलते 30 अक्टूबर 1883 को उनकी मृत्यु हो गई।

जयंती विशेष 12 फरवरी

राकेश कुमार

महर्षि दयानन्द सरस्वती (1824-1883) आधुनिक भारत के चिन्तक तथा आर्य समाज के संस्थापक थे। उनके बचपन का नाम 'मूलशंकर' था। उन्होंने वेदों के प्रचार-प्रसार के लिए मुम्बई में आर्यसमाज (श्रेष्ट जीवन पद्धति) की स्थापना की। 'वेदों की ओर लौटो' यह उनका ही दिया हुआ प्रमुख नारा था । उन्होंने कर्म सिद्धान्त, पुनर्जन्म तथा सन्यास को अपने दर्शन के स्तम्भ बनाये।

Teachers of Bihar

The change makers

जयंती विशेष 12 फरवरी

राकेश कुमार

करम बंधन में बन्ध रहियो, फल की ना तज्जियो आस,
कर्म मानुष का धर्म है, संत भाखै रविदास

गुरु रविदास जयंती की शुभकामनाएं...

रविदास जी का 15वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन में बड़ा योगदान रहा। यह उस समय का एक बड़ा आध्यात्मिक आंदोलन था, जिसने भक्ति का प्रचार करने के साथ-साथ समाज सुधार का भी काम किया। उन्होंने अपने जीवन में कई गीत, दोहे और भजनों की रचना की, जो आज के समय में भी मानव मात्र को प्रेरित करने का काम कर रहे हैं।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 12.02.2025

निरूपण लेखन

किसी विषय या विचार को अच्छी तरह से समझकर, उसका विवेचन करके, और आसान भाषा में समझाते हुए प्रस्तुत करना निरूपण लेखन कहलाता है. निरूपण लेखन में किसी विषय का विस्तृत विश्लेषण किया जाता है।

विज्ञान कॉर्नर

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

जर्मेनियम (Germanium)

संकेत (Symbol) - **Ge**

परमाणु संख्या -32 (Atomic no.)

परमाणु भार -72.640 (A.weight)

समूह (group)-14
आवर्त (period)-4
ब्लाक (block)-P
संयोजकता (valancy)-4
समस्थानिक (isotope)-5
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[Ar]3d^{10}4s^24p^2$

खोज

1886, क्लेमेंस विंकलर

भौतिक गुण

ग्रे रंग,अति भंगुर,क्रिस्टलीय, अर्धचालक धातु

रासायनिक गुण

ऑक्सीजन में गर्म करने पर ऑक्साइड का निर्माण , धातु अधातु दोनों के गुण

उपयोग

सेमीकंडक्टर , फाइबर, ऑप्टिक्स,कंप्यूटर और मोबाइल, कैंसर ईलाज आदि

Anu priya

चीन की दीवार

ToB बालमन

विश्व के धरोहर

चीन की दीवार दुनिया की सबसे लंबी मानव निर्मित संरचना है।चीन की महान दीवार का निर्माण सम्राट किन शी हुआंग ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में शुरू किया था। इसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजवंशों के प्रयासों से बनी थी और इसे बनाने में 1,800 साल से ज़्यादा का समय लगा।यह दीवार दुर्गों के प्रकार की एक श्रृंखला है जो प्राचीन चीनी राज्यों और शाही चीन की ऐतिहासिक उत्तरी सीमाओं पर यूरेशियाई स्तेपी से विभिन्न खानाबदोश समूहों के विरुद्ध सुरक्षा ,सीमा नियंत्रण करना,कौशेय मार्ग से गुज़रने वाले सामानों पर टैक्स लगाना,व्यापार को नियंत्रित या प्रोत्साहित करना,आप्रवासन और उत्प्रवास को नियंत्रित करना आदि के लिए बनाई गई थी।यह दीवार मिट्टी, पत्थर और चावल से बनी है।दीवार के सबसे प्रसिद्ध हिस्से को मिंग राजवंश ने 14वीं से 17वीं शताब्दी में बनवाया था।दिसंबर 1987 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।

धीरज कुमार

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

दुनिया का सबसे लंबा पैदल रास्ता **केप टाउन** (दक्षिण अफ्रीका) से **मगदान (रूस)** तक है। कुल दूरी **21,808 किमी** है और **पैदल चलने में** आपको 4,310 घंटे लगते हैं। **एक छोर से दूसरे छोर** तक पहुंचने में आपको **17 देशों से होकर** गुजरना पड़ेगा ।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 507

चीन की दीवार को किस वर्ष यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया?

A. वर्ष 1980

B. वर्ष 1983

C. वर्ष 1987

D. वर्ष 1992

www.teachersofbihar.org

ToB बूझो तो जानें..

476

शुरू कटे तो कान कहलाऊँ, बीच कटे तो मन बहलाऊँ
परिवार की मैं करूँ सुरक्षा धूप, आँधी, बारिस और
तूफान से रक्षा बूझो तो जानें...?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

Teachers of Bihar

The Change Makers

हिंदी TLM

संज्ञा

"किसी व्यक्ति, वस्तु , स्थान , भाव, गुण, धर्म आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।"

भेद

व्यक्ति-वाचक संज्ञा	व्यक्ति विशेष का बोध
जाति वाचक संज्ञा	विशेष जाति का बोध
भाव वाचक संज्ञा	भाव गुण, दशा का बोध
समूह वाचक संज्ञा	संपूर्ण समूह का बोध
द्रव्य वाचक संज्ञा	नाप, तौल वाली वस्तु का बोध

पुनीता कुमारी

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी

बरौली (गोपालगंज)

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

शारीरिक शिक्षा

ये है वॉक करने का सही तरीका

जयंती पर नमन।

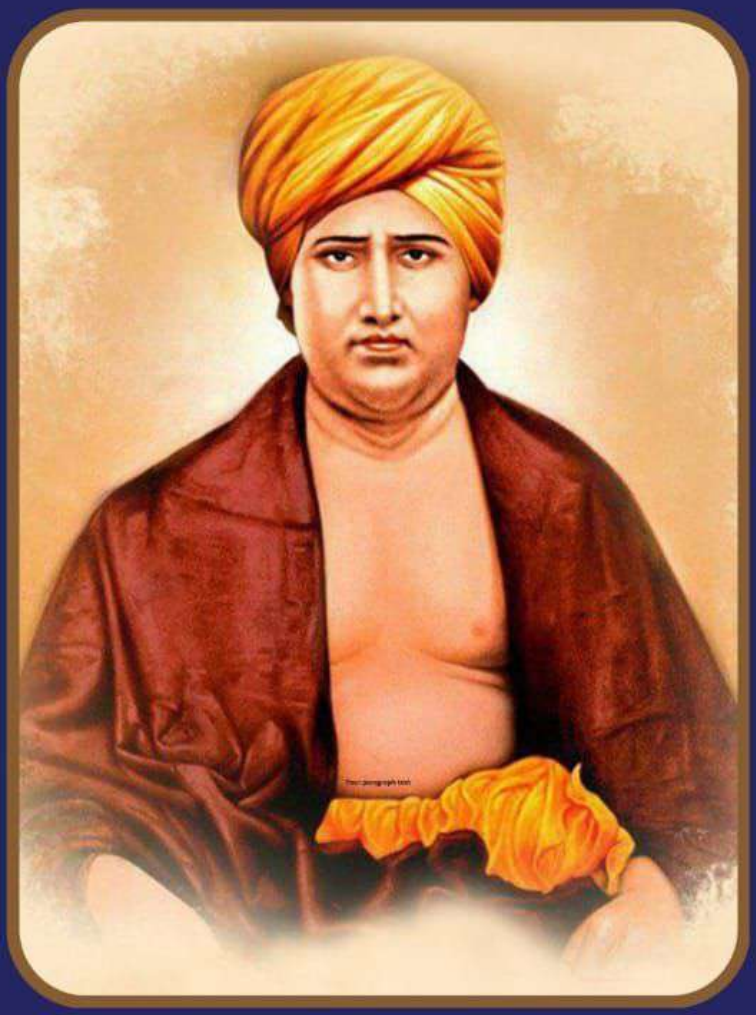

महर्षि दयानंद सरस्वती

12 फरवरी 1824-30 अक्टूबर 1883

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

12 फरवरी

जयंती पर नमन।

संत रविदास

Madhu priya

www.teachersofbihar.org